* जलवायु पर निर्भरता :-
वर्षा और तापमान का फसलों पर सीधा प्रभाव।
गेहूँ : समशीतोष्ण जलवायु
चावल : उष्ण और अधिक वर्षा वाला क्षेत्र

* श्रम का स्वरूप :-
विकसित देशों में कम श्रम विकासशील देशों में अधिक श्रम।

* अनाज कृषि के प्रकार :-
(1.) निर्वाह अनाज कृषि :-
किसान स्वयं और परिवार के लिए उत्पादन करता है। छोटे खेत, कम तकनीक। भारत, बांग्लादेश, नेपाल आदि में प्रचलित।

(2) वाणिज्यक अनाज कृषि :-
बाजार में बेचने के लिए उत्पादन। बड़े खेत, आधुनिक मशीनों का प्रयोग। अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया में प्रचलित।

* प्रमुख अनाज उत्पादक क्षेत्र :-
* विश्व में :-
गेहूँ : अमेरिका, रूस, कनाडा
चावल : भारत, चीन, जापान
मक्का : अमेरिका, ब्राजील

vivo Y02
Feb 05, 2026, 10:17

* प्रभाव :-

→ मृदा अपरदन
→ वर्षा में कमी
→ जैव विविधता का ह्रास

(3) औद्योगीकरण :-
→ कारखानों से निकलने वाली जहरीली गैसें।
→ रासायनिक अपशिष्ट का नदियों में प्रवाह।

* तापीय प्रदूषण :-
इससे वायु, जल और भूमि तीनों प्रदूषित होते है।

(4) शहरीकरण :-
→ कंक्रीट के जंगल
→ हरित क्षेत्रों का नाश
→ कचरे की बढ़ती समस्या
→ शहर हीट आइलैंड में बदलते जा रहे है।

(5) आधुनिक कृषि पद्धतियाँ :-
→ रासायनिक उर्वरक
→ कीटनाशक
→ अत्यधिक सिंचाई

* परिणाम :-
→ मृदा की उर्वरता में कमी
→ भूजल स्तर में गिरावट

vivo Y02
Feb 05, 2026, 10:17

* भारत में :-

गेहूँ : उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा
चावल : पश्चिम बंगाल, बिहार, आँध्र प्रदेश
मक्का : मध्य प्रदेश, कर्नाटक

* अनाज कृषि का महत्व :-
→ मानव भोजन का मुख्य स्रोत
→ पशुओं के चारे के रूप में उपयोग
→ खाद्य उद्योग के लिए कच्चा माल
→ ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़

* अनाज कृषि की समस्याएँ :
→ मौसम पर अत्यधिक निर्भरता
→ मृदा की उर्वरता में कमी
→ जल संकट
→ कीट और रोग

vivo Y02
Feb 05, 2026, 10:17

Sem-3 (MIC)

Q अनाज कृषि :-

अनाज कृषि वह कृषि पद्धति है, जिसमें मुख्य रूप से अनाज वाली फसलों की खेती की जाती है। इसमें गेहूँ, चावल, मक्का, जौ, बाजरा आदि फसलें शामिल होती है। यह कृषि दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक कृषि प्रणाली मानी जाती है।

* अनाज कृषि की परिभाषा :-

जिस कृषि प्रणाली में मानव भोजन के लिए अनाज का उत्पादन किया जाता है, उसे अनाज कृषि कहते है।

* अनाज कृषि की विशेषताएँ :-

मुख्य फसलें :-

गेहूँ, चावल, मक्का, जौ, बाजरा, ज्वार।

* क्षेत्र विस्तार :-

बहुत विस्तृत क्षेत्र में की जाती है अधिकतर समतल मैदानों में।

* यंत्रीकरण :-

विकसित देशों में मशीनों का अधिक प्रयोग, ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, थ्रेशर का उपयोग।

vivo Y02
Feb 05, 2026 10:17